वैश्विक असमानता रिपोर्ट 2022

समन्वयकर्ता :
Lucas Chancel
Thomas Piketty
Emmanuel Saez
Gabriel Zucman

मुख्य लेखक :
Lucas Chancel

WORLD INEQUALITY LAB

समन्वयकर्ता
Lucas Chancel
Thomas Piketty
Emmanuel Saez
Gabriel Zucman

मुख्य लेखक:
Lucas Chancel

शोध टीम:
Felix Bajard
François Burq
Rowaida Moshrif
Theresa Neef
Anne-Sophie Robilliard

डेटा कोऑर्डिनेटर:
Rowaida Moshrif

इस रिपोर्ट में निम्नलिखित लोगों द्वारा हाल में लिखे गए शोध आलेखों पर बल दिया गया है:

Facundo Alvaredo
Lydia Assouad
Luis Bauluz
Nitin Bharti
Thomas Blanchet
Lucas Chancel
Léo Czajka
Mauricio De Rosa
Carmen Durrer
Matthew Fisher-Post
Ignacio Flores
Bertrand Garbinti
Amory Gethin
Jonathan Goupille
Mark Jenmana
Clara Martinez-Toledano
Marc Morgan
Rowaida Moshrif
Theresa Neef
Thomas Piketty
Anne-Sophie Robilliard
Emmanuel Saez
Alice Sodano
Li Yang
Tancrède Voituriez
Gabriel Zucman
Alvaro Zuniga-Cordero

यह रिपोर्ट www.wid.world/team पर उपलब्ध वर्ल्ड इनइक्वलिटी डेटाबेस से जुड़े शोधकर्ताओं के व्यापक कार्य पर भी आधारित है

संवाद प्रबंधक:
Olivia Ronsain

संवाद टीम:
Michael Luze
Top of mind

डिजाइन:
Latitude

वेबसाइट:
La Quadrature du cercle

संपादन:
Charlotte Graff
Kathleen Weekley

लेखक इस रिपोर्ट की प्रस्तुति में वैज्ञानिक साझीदार के रूप में अपनी भूमिका के लिए United Nations Development Programme को धन्यवाद ज्ञापित करते हैं। Achim Steiner के साथ-साथ Pedro Conçeiçao, Heriberto Tapia, Mansour Ndiaye और उनकी टीमों को विशेष रूप से धन्यवाद।

World Inequality Lab, 2021

Creative Commons Licence 4.0
प्रकाशकों की विशेष अनुमति के बिना इस रिपोर्ट का किसी अन्य भाषा में अनुवाद, अंतरण या पुनःप्रस्तुति के लिए सख्ती से मना किया जाता है।

इस रिपोर्ट के लिए समर्पित वेबसाइट है। देखें : wir2022.wid.world

Design: LATITUDE Nantes - www.agence-latitude.fr - 0098/21

कार्यकारी सारांश

वैश्विक लोकहित के रूप में असमानता संबंधी विश्वसनीय आंकड़े

हम आंकड़ों की प्रचुरता वाली दुनिया में रहते हैं। फिर भी हमारे पास असमानता के बारे में बुनियादी जानकारी की कमी है। पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा प्रति वर्ष आर्थिक वृद्धि दर के आंकड़े प्रकाशित किए जाते हैं। लेकिन उनसे हमें पता नहीं चलता है कि आबादी के विभिन्न हिस्सों के बीच वृद्धि का किस तरह बंटवारा हुआ है। आर्थिक नीतियों से किसे लाभ हुआ है और किसे हानि। ऐसे आंकड़ों की उपलब्धता लोकतंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आय और संपत्ति से भी बढ़कर यह लैंगिक और पर्यावरणीय असमानताओं समेत सामाजिक-आर्थिक विषमताओं के अन्य आयामों को मापने और निगरानी करने की हमारी सामूहिक क्षमता में सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण है। असमानता सबंधी निर्बाध रूप से उपलब्ध, पारदर्शी, विश्वसनीय सूचना एक वैश्विक लोकहित है।

वैश्विक असमानताओं पर नजर रखने के लिए इस रिपोर्ट में शोध के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का सर्वाधिक अद्यतन संश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। यहां प्रस्तुत आंकड़े और विश्लेषण वर्ल्ड इनक्विलिटी लैब द्वारा संधारित विश्व असमानता डेटाबेस (WID.world) में योगदान करने के लिए सभी महादेशों में मौजूद 100 से भी अधिक शोधकर्ताओं के चार वर्षों से भी अधिक के काम पर आधारित हैं। असमानता के तुलनीय अंतर्राष्ट्रीय आकड़ों को सुसंगत बनाने, तथा विश्लेषित और प्रचारित करने के लिए इस विशाल नेटवर्क का सांख्यिकी संस्थानों, कर अधिकारियों, विश्वविद्यालयों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग रहता है।

आय और संपत्ति संबंधी समकालीन असमानताएं बहुत अधिक हैं

क्रय शक्ति समानता के आधार पर औसत वयस्क व्यक्ति 2021 में 16,700 यूरो (23,380 अमेरिकी डॉलर) का उपार्जन कर रहा है और औसत वयस्क के पास 72,900 यूरो (1,02,600 अमेरिकी डॉलर) की संपत्ति है। ये औसत देशों के बीच और देशों के अंदर, दोनो स्तर पर भारी विषमताओं को छुपा लेते हैं। अभी विश्व के 10 प्रतिशत सबसे अमीर लोग कुल वैश्विक आय का 52 प्रतिशत हथिया लेते हैं जबकि सबसे गरीब आधी आबादी को उसका 8.5 प्रतिशत ही हासिल होता है। आय संबंधी वैश्विक वितरण के शीर्ष 10 प्रतिशत लोग प्रति वर्ष औसतन 87,200 यूरो (1,22,100 अमेरिकी डॉलर) कमाते हैं जबकि आय संबंधी वैश्विक वितरण के सबसे गरीब आधे लोग प्रति वर्ष औसतन 2,800 यूरो (3,920 अमेरिकी डॉलर) ही कमा पाते हैं (आरेख 1).

संपत्ति संबंधी वैश्विक असमानताएं आय संबंधी असमानताओं से भी अधिक स्पष्ट हैं। वैश्विक आबादी के सबसे गरीब आधे हिस्से के पास मुश्किल से ही कोई संपत्ति है जो कुल मिलाकर वैश्विक संपत्ति का महज 2 प्रतिशत होती है। इसके विपरीत, वैश्विक आबादी के शीर्ष 10 प्रतिशत हिस्से का कुल संपत्ति के 76 प्रतिशत पर कब्जा है। क्रय शक्ति समानता के आधार पर आबादी के सबसे गरीब आधे हिस्से की प्रति वयस्क मात्र 2,900 यूरो अर्थात 4,100 अमेरिकी डॉलर की संपत्ति है जबकि शीर्ष 10 प्रतिशत की औसत संपत्ति 5,50,900 यूरो (7,71,300 अमेरिकी डॉलर) है।

आरेख 1 ***आय और संपत्ति संबंधी वैश्विक असमानता, 2021***

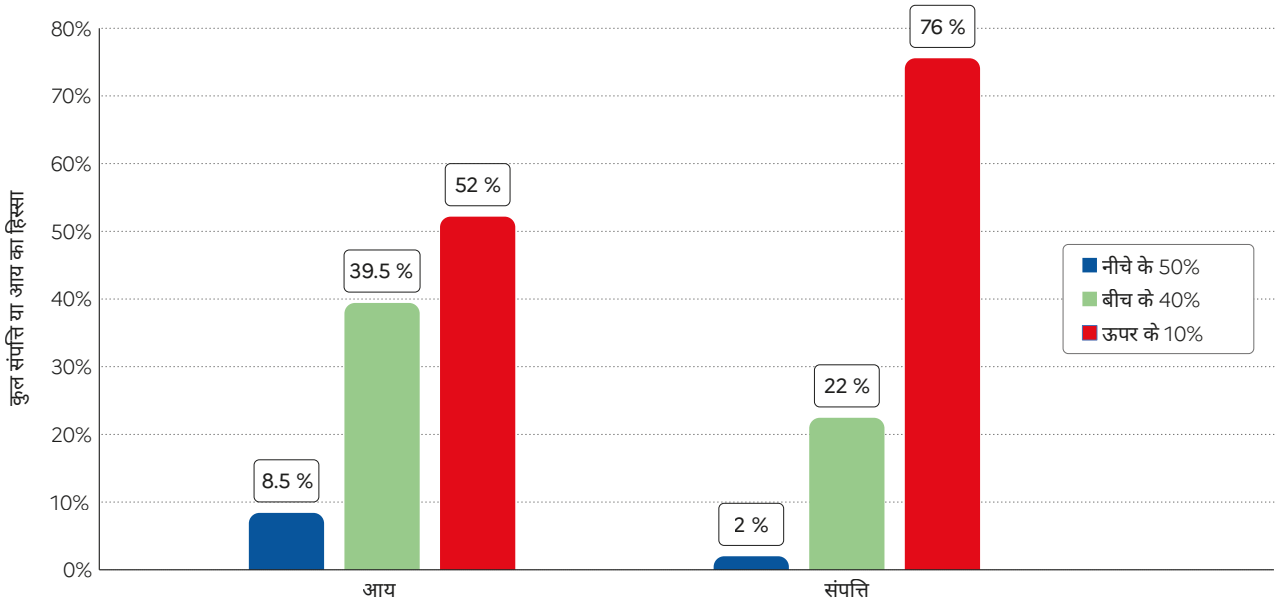

***व्याख्या**: क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के आधार पर मापने पर विश्व के 50% लोगों को कुल आय का 8% हिस्सा हासिल है। वहीं, क्रय शक्ति समानता के आधार पर नीचे के 50% लोग 2% संपत्ति के मालिक है। लेकिन, दुनिया के शीर्ष (ऊपर के) 10% प्रतिशत लोग कुल पारिवारिक संपत्ति के 76% के मालिक हैं और कुल आय के 52% पर कब्जा कर लेते हैं। गौरतलब है कि शीर्ष संपत्तिशाली लोग अनिवार्यतः शीर्ष आय वाले नहीं हैं। आय को पेंशन और बेरोजगारी प्रणालियों के लागू हो जाने के बाद लेकिन करों तथा अंतरणों के लागू होने के पहले मापा जाता है। **स्रोत और सीरीज**: wir2022.wid.world/methodology.*

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका (मेना) विश्व का सबसे असमान क्षेत्र है जबकि यूरोप में असमानता के स्तर सबसे कम हैं

आरेख 2 में विभिन्न क्षेत्रों में आय संबंधी असमानता के स्तरों को दर्शाया गया है। सबसे समान क्षेत्र (यूरोप) और सबसे असमान क्षेत्र (मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका अर्थात मेना) के बीच असमानता के मामले में काफी अंतर है। यूरोप में शीर्ष 10 प्रतिशत का कुल आमदनी में लगभग 36 प्रतिशत हिस्सा है जबकि मेना में यह 58 प्रतिशत है। इन दोनो स्तरों के बीच में हमें अनेक प्रकार के पैटर्न दिखते हैं। पूर्व एशिया में शीर्ष 10 प्रतिशत का कुल आय में 43 प्रतिशत हिस्सा है और जबकि लैटिन अमेरिका में यह आंकड़ा 55 प्रतिशत है।

औसत राष्ट्रीय आयों से हमें असमानता के बारे में बहुत कम जानकारी मिलती है

वैश्विक असमानता मानचित्र (आरेख 3) दर्शाता है कि राष्ट्रीय औसत आय के स्तर असमानता के कमजोर अनुमानकर्ता हैं। उच्च आय वाले देशों के बीच देखें, तो कुछ बहुत असमान हैं (जैसे कि यूएस अर्थात संयुक्त राज्य अमेरिका)। वहीं, अन्य अपेक्षाकृत समान हैं (जैसे स्वीडन)। यही बात निम्न और मध्यम आय वाले देशों के बारे में भी सच है जिनमें से कुछ में अत्यधिक असमानता दिखती है (जैसे ब्राजील और भारत में)। वहीं, कुछ में उच्च असमानता है (जैसे चीन में) और कुछ में असमानता का स्तर कम है (जैसे मलेशिया और उरुग्वे में)।

असमानता राजनीतिक पसंद है, अनिवार्यता नहीं

विभिन्न देशों में विभिन्न स्वरूपों में अविनियमन और उदारीकरण कार्यक्रमों की शृंखला चलने के बाद 1980 के दशक से आय और संपत्ति संबंधी असमानता में लगभग हर जगह वृद्धि हो रही है। यह वृद्धि एक जैसी नहीं रही है। (संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत सहित) कुछ देशों में असमानता में असाधारण वृद्धि दिखी है। वहीं, अन्य देशों (यूरोपीय देशों और चीन) में अपेक्षाकृत कम वृद्धि दिखी है। इन अंतरों पर वैश्विक असमानता रिपोर्ट के विगत संस्करण में विस्तार से चर्चा की गई थी। उससे पुष्टि होती है कि असमानता अपरिहार्य नहीं है, यह राजनीतिक पसंद है।[1]

समकालीन वैश्विक असमानताएं 20वीं सदी के आरंभिक वर्षों के स्तर के आसपास हैं जब पश्चिमी साम्राज्यवाद चरम पर था

विगत दो दशकों में अधिकांश देशों के अंदर असमानता बढ़ी है लेकिन देशों के बीच वैश्विक असमानता घटी है। फलतः सबसे संपन्न 10 प्रतिशत व्यक्तियों की औसत आय और सबसे गरीब 50 प्रतिशत व्यक्तियों की औसत आय के बीच फासला लगभाग 50-गुना से घटकर 40-गुना से भी कुछ नीचे आ गया (आरेख 5)। लेकिन इसी दौरान देशों के अंदर असमानताओं में काफी वृद्धि हुई। देशों के अंदर शीर्ष 10 प्रतिशत और नीचे के 50 प्रतिशत व्यक्तियों की औसत आयों के बीच फासला लगभग दूना होकर 8.5-गुना से 15-गुना हो गया (देखें अध्याय 2)। देश के अंदर असमानताओं में तेज वृद्धि का अर्थ हुआ कि उदीयमान देशों में आर्थिक विकास और तेज वृद्धि दर के बावजूद दुनिया आज अधिक असमान बनी हुई है। इसका यह भी अर्थ हुआ कि देशों के अंदर मौजूद असमानताएं अभी देशों के बीच देखी गई असमानताओं से भी अधिक हैं (आरेख 6)।

आरेख 2 ***सबसे गरीब आधे लोग पिछड़ जाते हैं : पूरी दुनिया की आय में नीचे के 50%, बीच के 40% और ऊपर के 10% लोगों का 2021 में हिस्सा***

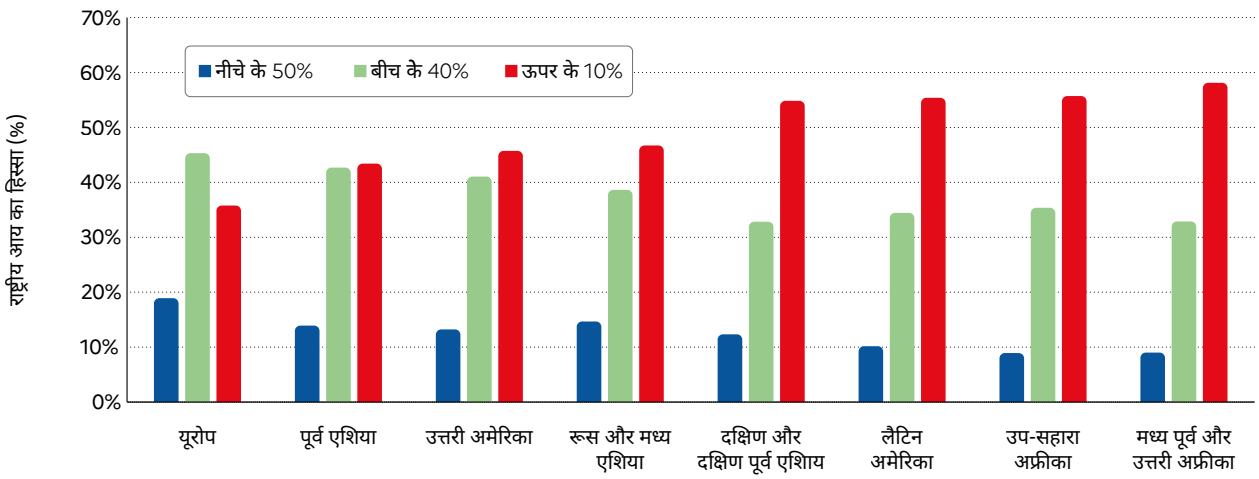

***व्याख्या**: शीर्ष 10% प्रतिशत लोग लैटिन अमेरिका में राष्ट्रीय आय के 52% हिस्से पर कब्जा कर लेते हैं जबकि यूरोप में 36% पर। आय को व्यक्तियों द्वारा पेंशन और बेरोजगारी संबंधी अंशदान देने और लाभ पाने के बाद लेकिन करों तथा अन्य अंतरणों के लागू होने के पहले मापा जाता है। **स्रोत और सीरीज**: www.wir2022.wid.world/methodology.*

वैश्विक असमानताएं आज उतनी ही अधिक दिखती हैं जितनी वे 20वीं सदी के आरंभ में पश्चिमी साम्राज्यवाद के चरम पर होने के समय थीं। निस्संदेह, विश्व की कुल आय में उसके सबसे गरीब आधे लोगों को हासिल आय का हिस्सा अभी 1820 की, अर्थात पश्चिमी देशों और उनके उपनिवेशों के बीच भारी अंतर के पहले के समय की तुलना में आधा है (आरेख 7)। दूसरे शब्दों में, मध्य 19वीं सदी और मध्य 20वीं सदी के बीच विश्व के अत्यंत असमान ढंग से व्यवस्थित होने के कारण विरासत में मिली वैश्विक आर्थिक असमानता को समाप्त करने के लिए अभी काफी लंबा फासला तय किया जाना है।

आरेख 3 ***पूरी दुनिया में ऊपर के 10%/ नीचे के 50% की आमदनी में फासला, 2021***

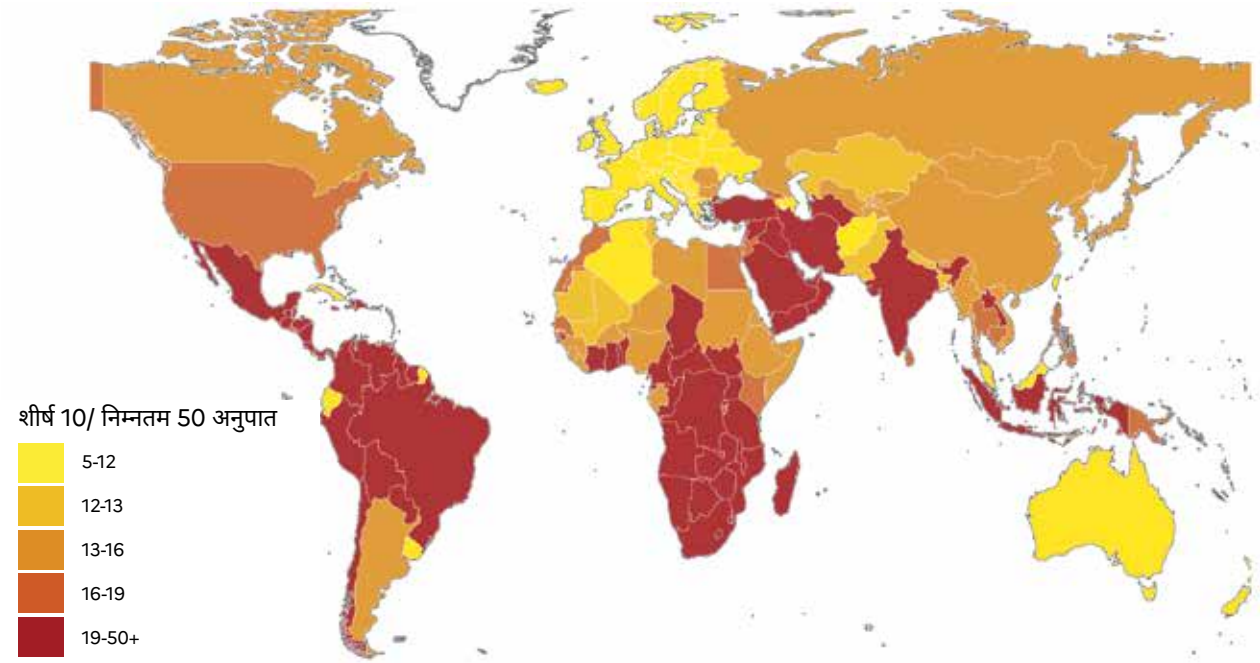

व्याख्या: *ब्राजील में शीर्ष 10% की कमाई नीचे के 50% लोगों से 29-गुनी अधिक है। फ्रांस में यह अनुपात 7-गुने का है। आय को व्यक्तियों को मिले पेंशन और बेरोजगारी संबंधी भुगतानों और लाभों के बाद लेकिन उनके द्वारा दिए गए अन्य करों और प्राप्त किए गए अन्य अंतरणों के पहले मापा जाता है।*
स्रोत और सीरीज: *wir2022.wid.world/methodology.*

आरेख 4 ***पूंजी का अत्यधिक संकेंद्रण : पूरी दुनिया में संपत्ति संबंधी असमानता, 2021***

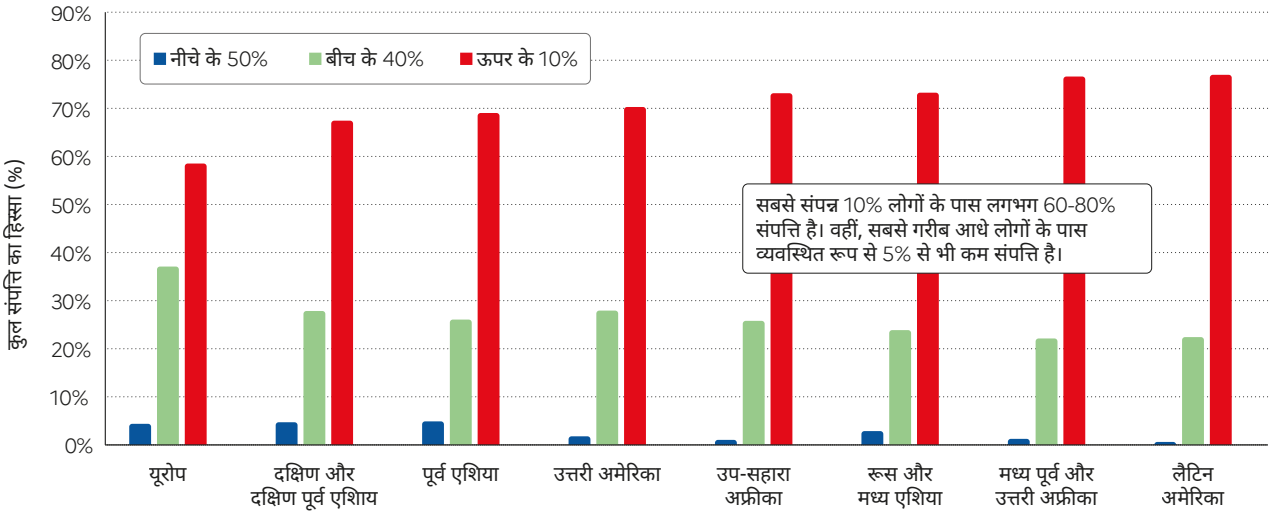

व्याख्या: *लैटिन अमेरिका में शीर्ष 10% का कुल पारिवारिक संपत्ति के 77% पर कब्जा है जबकि बीच के 40% के पास उसका 22% और नीचे के 50% के पास उसका महज 1% है। यूरोप में शीर्ष 10% के पास कुल संपत्ति का 58% हिस्सा है जबकि बीच के 40% के पास 38% और नीचे के 50% का 4% हिस्सा है।*
स्रोत और सीरीज: *wir2022.wid.world/methodology.*

आरेख 5 ***आय संबंधी वैश्विक असमानता : T10/B50 अनुपात, 1820-2020***

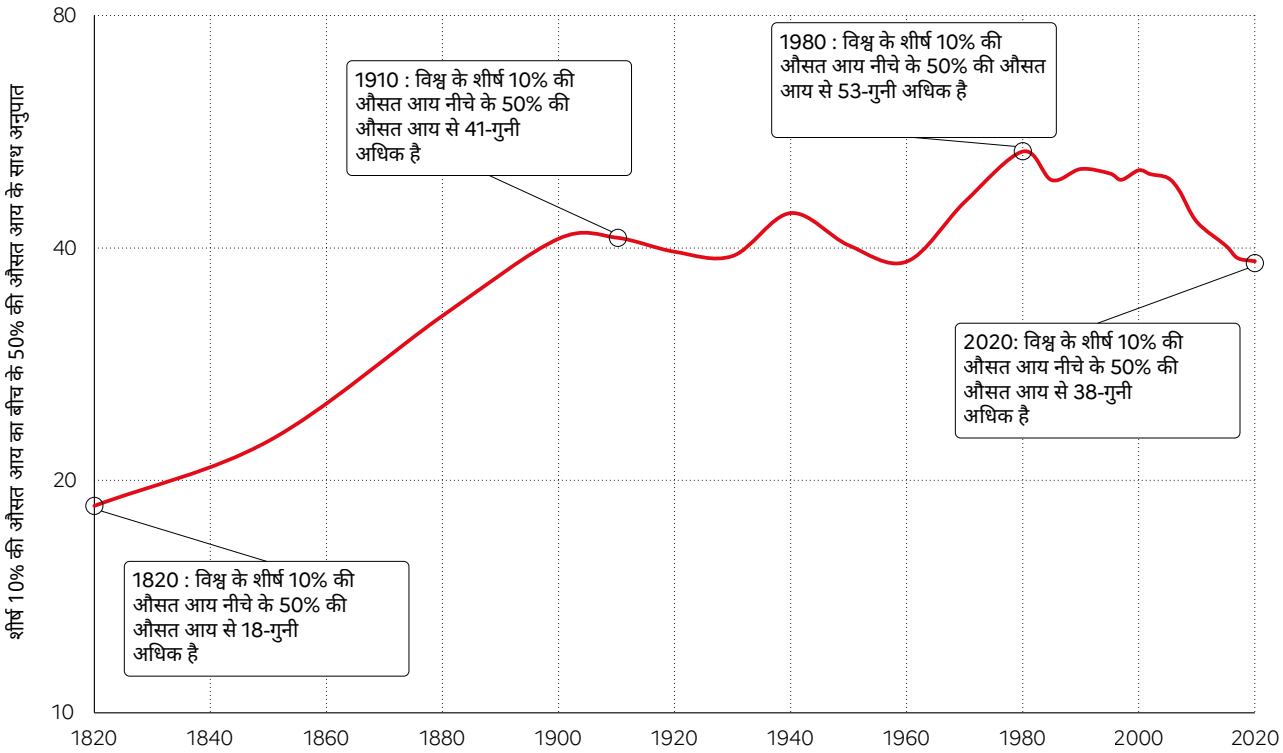

***व्याख्या**: शीर्ष 10% की औसत आय और नीचे के 50% की औसत आय के बीच के अनुपात (T10/B50) के रूप में मापी जाने वाली वैश्विक असमानता 1820 से 1910 के बीच दूनी से भी अधिक (20% से भी कम से लगभग 40%) हो गई थी। वहीं, 1919 से 2020 के बीच यह अनुपात लगभग 40% के आसपास स्थिर हो गया। यह कहना जल्दबाजी होगी कि 2008 से देखी गई वैश्विक असमानता में कमी जारी रहेगी या नहीं। आय को प्रति व्यक्ति आधार पर पेंशन और बेरोजगारी बीमा संबंधी अंतरणों के बाद और आय तथा संपत्ति करों को देने के पहले मापा जाता है। **स्रोत और सीरीज**: wir2022.wid.world/lmethodology and Chancel and Piketty (2021).*

आरेख 6 ***आय संबंधी वैश्विक असमानता : देशों के बीच बनाम देश के अंदर असमानता (थील सूचकांक), 1820-2020***

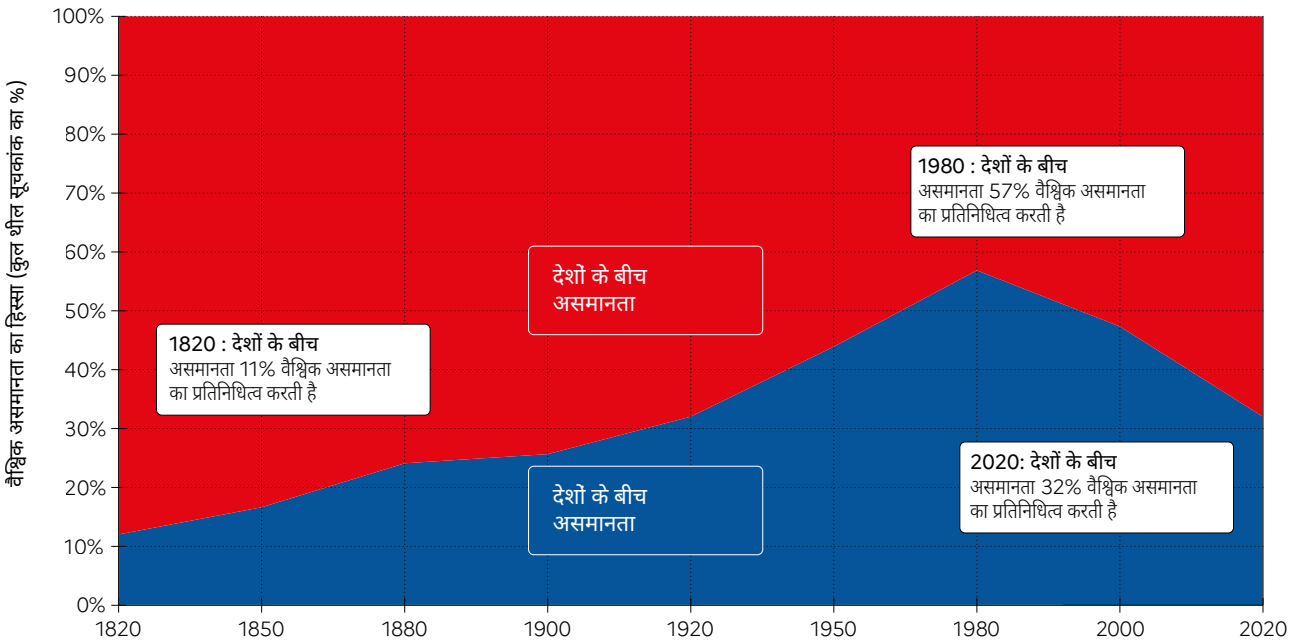

***व्याख्या**: समग्र वैश्विक असमानता में थील सूचकांक के रूप में मापी जाने वाली देशों के बीच असमानता का मान 1820 से 1980 के बीच बढ़ा जिसके बाद से उसमें तेज गिरावट आई। वर्ष 2020 में व्यक्तियों के बीच वैश्विक असमानता में देशों के बीच असमानता का लगभग एक-तिहाई योगदान है। शेष असमानता देशों के अंदर असमानता के कारण है। आय को प्रति व्यक्ति के आधार पर पेंशन और बेरोजगारी बीमा संबंधी अंतरणों के बाद लेकिन आय और संपत्ति करों को चुकाने के पहले मापा जाता है। **स्रोत और सीरीज**: wir2022.wid.world/methodology and Chancel and Piketty (2021).*

आरेख 7 ***आय संबंधी वैश्विक असमानता, 1820-2020***

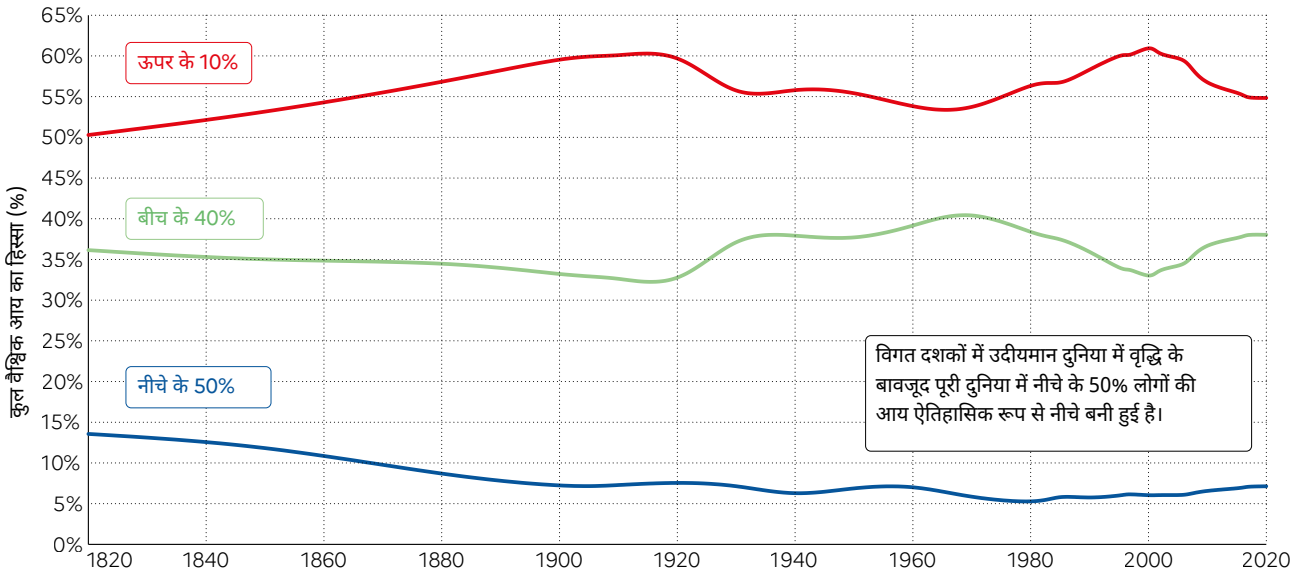

***व्याख्या**: सर्वाधिक आय वाले शीर्ष 10% लोगों को जाने वाला वैश्विक आय का हिस्सा 1820 से 2020 के बीच 50% से 60% के बीच ऊपर-नीचे होता है। यह 1820 में 50%, 1910 में 60%, 1980 में 56%, 2000 में 61% और 2020 में 55% था। वहीं, सबसे कम आय वाले सबसे नीचे के 50% लोगों का हिस्सा आम तौर पर 10% से नीचे रहा है। यह 1820 में 14%, 1910 में 7%, 1980 में 5%, 2000 में 6% और 2020 में 7% था। वैश्विक असमानता हमेशा काफी अधिक रही है। यह 1820 से 1910 के बीच बढ़ी और उसके बाद 1919 से 2020 के बीच थोड़ा दीर्घकालिक रुझान रहा है।**स्रोत और सीरीज**: see wir2022.wid.world/methodology and Chancel and Piketty (2021).*

आरेख 8 ***संपन्न देशों में निजी संपत्ति में वृद्धि बनाम सार्वजनिक संपत्ति में कमी, 1970-2020***

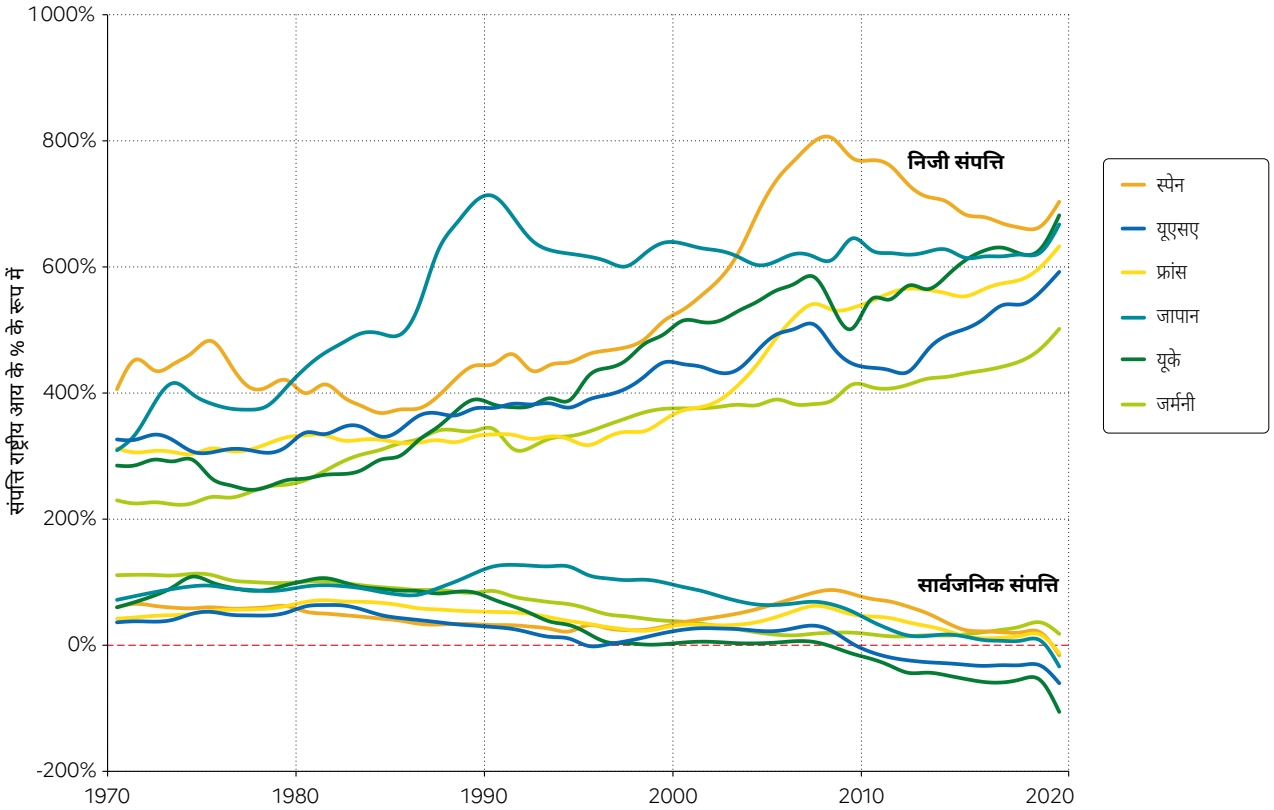

***व्याख्या**: सार्वजनिक संपत्ति सरकार के पास मौजूद सभी वित्तीय और वित्तेतर संपत्तियों का ऋण घटाने के बाद प्राप्त योगफल है। यूनाइटेड किंगडम में राष्ट्रीय आय के साथ सार्वजनिक संपत्ति का अनुपात 1970 के 60% से घटकर 2020 में -106% हो गया। **स्रोत और सीरीज**: wir2022.wid.world/methodology, Bauluz et al. (2021) and updates.*

राष्ट्र अपेक्षाकृत धनी हो गए हैं लेकिन सरकारें अपेक्षाकृत गरीब हो गई हैं

इन असमानताओं को समझने का एक तरीका सरकारों की शुद्ध संपत्ति और निजी क्षेत्र की शुद्ध संपत्ति के बीच मौजूद फासले पर ध्यान केंद्रित करने का है। विगत 40 वर्षों में देश काफी संपन्न हो गए हैं लेकिन उनकी सरकारें काफी गरीब हो गई हैं। अमीर देशों में सार्वजनिक कर्ताओं के कब्जे वाली संपत्ति लगभग शून्य या ऋणात्मक है जिसका अर्थ हुआ कि पूरी संपत्ति निजी हाथों में है (आरेख 8)। कोविड संकट के कारण यह रुझान और भी मजबूत हुआ है क्योंकि इस दौरान सरकारों को निजी क्षेत्र से अनिवार्यतः सकल घरेलू उत्पाद के 10 से 20 प्रतिशत के बराबर रकम उधार लेनी पड़ी है। भविष्य में असमानताओं से निपटने और जलवायु परिवर्तन जैसी 21वीं सदी की मुख्य चुनौतियों का सामना करने के लिहाज से राज्य की क्षमताओं के लिए अभी सरकारों की संपत्ति कम हो जाने के गंभीर निहितार्थ हैं।

संपत्ति संबंधी असमानताएं वितरण के बिल्कुल शीर्ष पर बढ़ी हैं

Tनिजी संपत्ति विश्व के स्तर के साथ-साथ देशों के अंदर भी असमान ढंग से बढ़ी है। वैश्विक करोड़पतियों ने विगत कुछ दशकों में दुनिया भर में हुई संपत्ति की वृद्धि के अपने अनुपात से अधिक हिस्से पर कब्जा कर लिया है। शीर्ष 1 प्रतिशत ने 1990 के दशक के मध्य से संचित हुई पूरी अतिरिक्त संपत्ति के 38 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर लिया जबकि सबसे नीचे की 50 प्रतिशत आबादी को इसका सिर्फ 2 प्रतिशत हासिल हुआ। इस असमानता की जड़ संपत्ति वितरण के सबसे ऊपर और सबसे नीचे के हिस्सों की वृद्धि दरों के बीच गंभीर असमानता में है। वर्ष 1995 से अब तक धरती के सबसे अमीर लोगों की संपत्ति 6 से 9 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ी है जबकि संपत्ति की औसत वार्षिक वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत ही रही है (आरेख 9)। वर्ष 1995 से शीर्ष 0.01 प्रतिशत का वैश्विक संपत्ति में हिस्सा 7 प्रतिशत से बढ़कर 11 प्रतिशत हो गया। इस अवधि में वैश्विक संपत्ति में अरबपतियों का हिस्सा भी बढ़ा (1 प्रतिशत से 3 प्रतिशत) और इस वृद्धि में में कोविड महामारी के दौरान और भी तेजी आई। वर्ष 2020 में वैश्विक संपत्ति में वैश्विक अरबपतियों का हिस्सा वस्तुतः सबसे तेजी से बढ़ता दर्ज हुआ (आरेख 10).

आरेख 9 ***संपत्ति की औसत वार्षिक वृद्धि दर, 1995-2021***

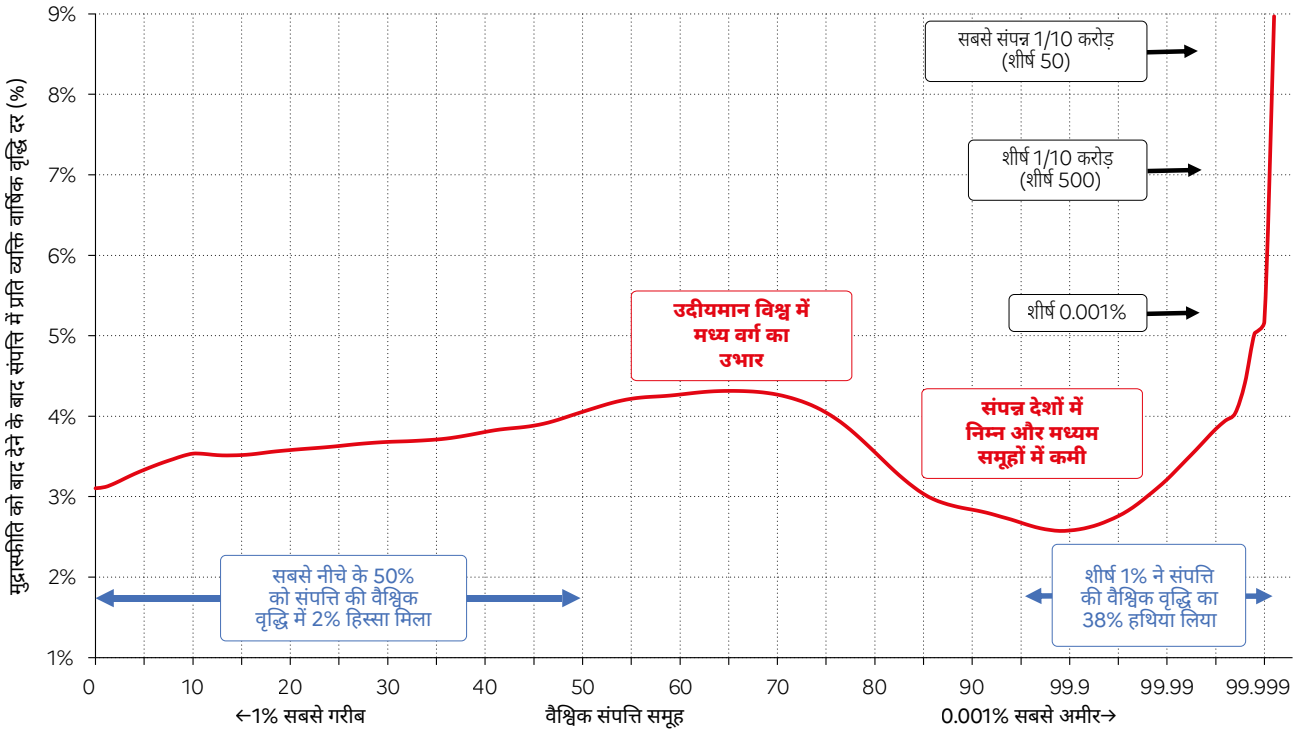

***व्याख्या**: वर्ष 1995 से 2021 के बीच दुनिया की सबसे गरीब आधी आबादी की वैश्विक वृद्धि दरें 3% से 4% प्रति वर्ष के बीच थीं। चूंकि इस समूह का आरंभ अन्यंत निम्न स्तर की संपत्ति से हुआ, इसलिए वृद्धि का निरपेक्ष स्तर अत्यंत निम्न बना रहा। वर्ष 1995 से विश्व की सबसे गरीब आधी आबादी को संपत्ति की समग्र वैश्विक वृद्धि का 2.3% हिस्सा ही हासिल हुआ। वहीं, शीर्ष 1 प्रतिशत उच्च वृद्धि दर (3% से 9% प्रति वर्ष) से लाभान्वित हुआ। वर्ष 1995 से 2021 के बीच इस समूह ने संपत्ति की कुल वैश्विक वृद्धि का 38% हथिया लिया। शुद्ध पारिवारिक संपदा ऋण को घटाने के बाद व्यक्तियों के पास मौजूद वित्तीय परिसंपत्तियों (जैसे इक्विटी या बौंड) और वित्तेतर परिसंपत्तियों (जैसे मकान या जमीन) का योग होती है। **स्रोत और सीरीज**: wir2022.wid.world/methodology.*

20वीं सदी के अधिकांश हिस्से में देशों के अंदर संपत्ति संबंधी असमानएं घटीं लेकिन सबसे नीचे की 50 प्रतिशत आबादी का हिस्सा हमेशा ही बहुत कम रहा है

20वीं सदी के आरंभिक वर्षों और 1980 के दशक के बीच पश्चिमी देशों में संपत्ति संबंधी असमानता काफी घटी लेकिन कुल संपत्ति में आबादी के सबसे गरीब आधे हिस्से का हिस्सा हमेशा ही बहुत कम अर्थात 2 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच रहा है (आरेख 11)। दूसरे क्षेत्रों में तो सबसे नीचे की 50 प्रतिशत आबादी का हिस्सा और भी कम है। ये परिणाम दर्शाते हैं कि अगर हमें संपत्ति संबंधी अत्यधिक असमानताओं में कमी लानी है तो दुनिया के हर क्षेत्र में काफी कुछ करना होगा।

वैश्विक स्तर पर काफी अधिक लैंगिक असमानताएं बरकरार हैं, और देशों के अंदर भी प्रगति काफी धीमी है

वैश्विक असमानता रिपोर्ट 2022 में वैश्विक उपार्जन में लैंगिक असमानता के अनुमान सबसे पहले उपलब्ध कराए गए हैं। कुल मिलाकर काम से कुल आय (श्रम संबंधी आय) में महिलाओं का हिस्सा 1990 में लगभग 30 प्रतिशत था और आज भी 35 प्रतिशत से कम है (आरेख 12)। उपार्जन में लैंगिक असमानता अभी भी काफी ऊंची है। लैंगिक समानता वाली दुनिया में कुल श्रमिक आय में महिलाओं का 50 प्रतिशत हिस्सा होना चाहिए। लेकिन वैश्विक स्तर पर 30 वर्षों में काफी धीमी गति से प्रगति हुई है और इस गति में देशों के बीच काफी भिन्नता है। जहां कुछ देशों में प्रगति दर्ज हुई है वहीं, दूसरे देशों में उपार्जन में महिलाओं का हिस्सा घटा दिख रहा है (आरेख 13)।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए कार्बन उत्सर्जन में मौजूद भारी असमानताओं को दूर करना जरूरी है

आय और संपत्ति संबंधी वैश्विक असमानताएं परितंत्रीय असमानताओं और जलवायु परिवर्तन को बढ़ाने वाली असमानताओं से मजबूती से जुड़ी हैं। मानव प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष औसतन 6.6 टन कार्बन डायक्साइड के समकक्ष उत्सर्जन करते हैं। कार्बन उत्सर्जन संबंधी असमानताओं पर हमारे नए डेटासेट से वैश्विक स्तर पर कार्बन डायक्साइड उत्सर्जन में भारी असमानताओं का पता चलता है। शीर्ष 10 प्रतिशत उत्सर्जक लगभग 50 प्रतिशत उत्सर्जन के लिए जिम्मेवार हैं जबकि सबसे नीचे की 50 प्रतिशत आबादी का कुल उत्सर्जन में 12 प्रतिशत हिस्सा है (आरेख 14).

आरेख 10 ***संपत्ति संबंधी अत्यधिक असमानता : वैश्विक अरबपतियों का उत्थान, 1995-2021***

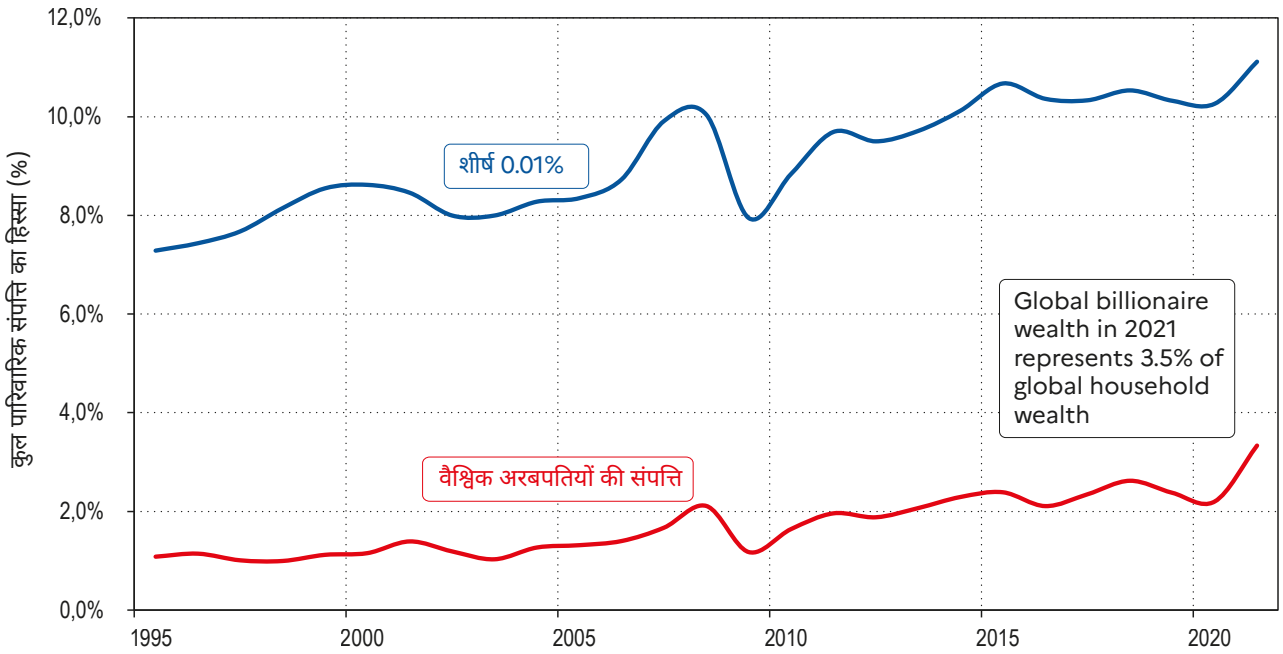

***व्याख्या**: वर्ष 1995 में कुल पारिवारिक संपत्ति का 1% हिस्सा विश्व के अरबपतियों के कब्जे में था जो आज बढ़कर लगभग 3.5% हो चुका है। 5,20,000 वयस्कों वाले शीर्ष 0.01% की सीमा रेखा 1995 में 6,93,000 यूरो (पीपीपी) थी जो आज बढ़कर 1,66,66,000 यूरो हो गई है। शुद्ध पारिवारिक संपत्ति व्यक्तियों के ऋणों को घटा देने के बाद उनके पास मौजूद वित्तीय परिसंपत्तियों (जैसे इक्विटी और बौंड) और वित्तेतर परिसंपत्तियों (जैसे मकान या जमीन) का योगफल होती है। **स्रोत और सीरीज**: wir2022.wid.world/methodology, Bauluz et al. (2021) and updates.*

आरेख 15 दर्शाता है कि ये असमानताएं महज अमीर देश बनाम गरीब देश का मामला नहीं हैं। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में भी उच्च उत्सर्जक हैं और अमीर देशों में भी कम उत्सर्जक हैं। नीचे की 50 प्रतिशत आबादी यूरोप में लगभग 5 टन और पूर्वी एशिया में लगभग 3 टन प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष उत्सर्जन करती है। वहीं, उत्तरी अमेरिका में नीचे की 50 प्रतिशत आबादी लगभग 10 टन प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष उत्सर्जन करती है। लेकिन इन क्षेत्रों के शीर्ष 10 प्रतिशत द्वारा उत्सर्जन की स्थिति बिल्कुल विपरीत है (यूरोप में 29 टन, पूर्व एशिया में 39 टन और उत्तरी अमेरिका में 73 टन)।

इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि अमीर देशों द्वारा 2030 के लिए तय जलवायु लक्ष्यों को प्रति व्यक्ति के आधार पर व्यक्त करने पर अमीर देशों की सबसे गरीब आधी आबादी उसे अभी ही हासिल कर चुकी है (या उसके नजदीक पहुंच चुकी है)। लेकिन आबादी के ऊपरी आधे हिस्से के मामले में ऐसी स्थिति नहीं है। उत्सर्जनों में भारी असमानताओं से पता चलता है कि जलवायु संबंधी नीतियों में अमीर प्रदूषकों को अधिक लक्षित किया जाना चाहिए। अभी तक कार्बन करों जैसी जलवायु संबंधी नीतियों का निम्न और मध्यम आय समूहों पर अनुपात से अधिक प्रभाव पड़ा है जबकि सबसे अमीर समूहों की उपभोग संबंधी आदतों में कोई बदलाव नहीं आया है।

आरेख 11 ***पश्चिमी यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका में संपत्ति में ऊपर के 1% बनाम नीचे के 50% लोगों का हिस्सा, 1910-2020***

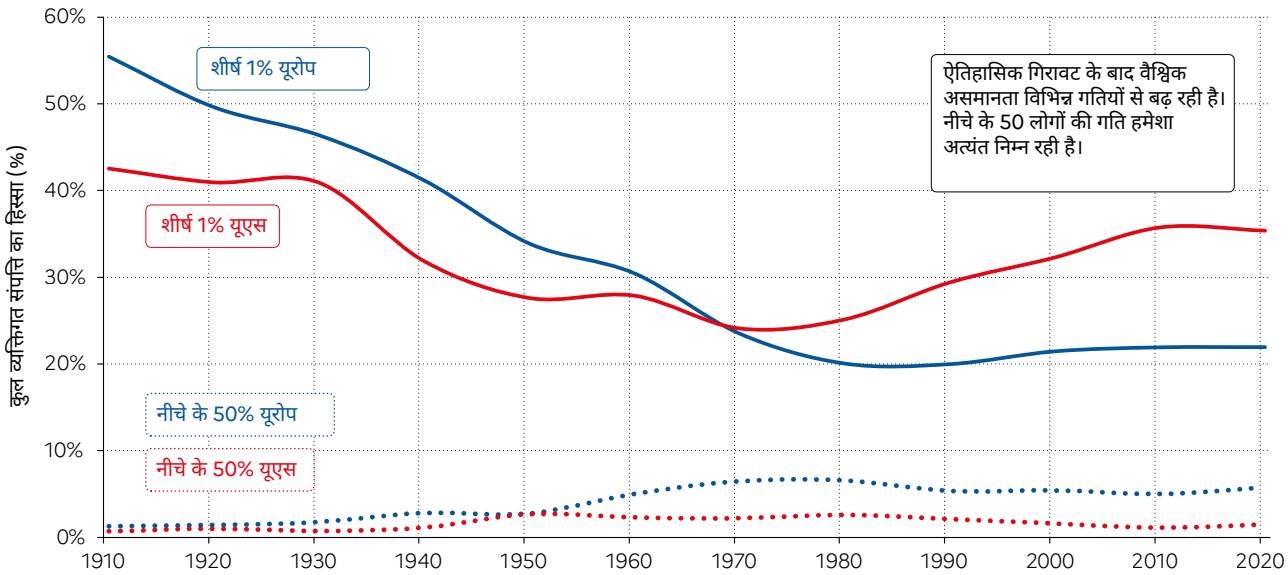

***व्याख्या**: यह आरेख यूरोप और यूएस में शीर्ष 1% की व्यक्तिगत संपत्ति के हिस्सों का दशवार्षिक औसत दर्शाता है। वर्ष 1910 से 2020 के बीच शीर्ष 1% का हिस्सा यूरोप में 55% और संयुक्त राज्य अमेरिका में 43% था। सौ साल बाद संयुक्त राज्य अमेरिका वापस बीसवीं सदी के आरंभिक स्तर पर पहुंच गया है। **स्रोत और सीरीज**: wir2022.wid.world/methodology.*

आरेख 12 ***श्रमिकों की वैश्विक आय में महिलाओं का हिस्सा, 1990-2020***

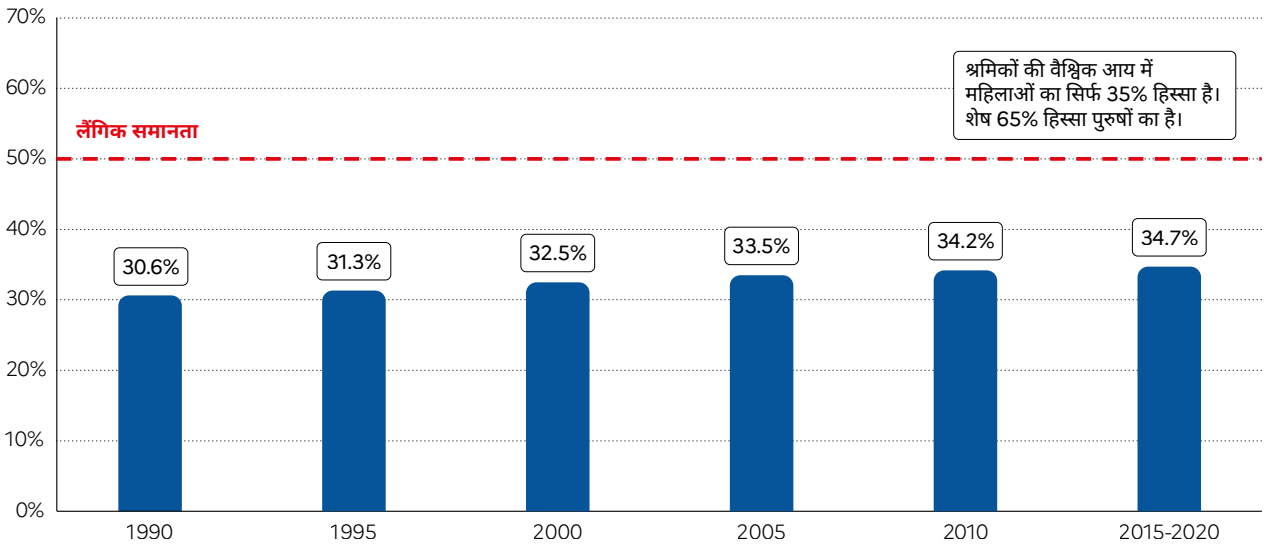

***व्याख्या**: श्रमिकों की वैश्विक आय में महिलाओं का 1990 में 31% और 2015-2020 में लगभग 35% हिस्सा था। आज श्रमिकों की कुल आय में पुरुषों का 64% हिस्सा है। **स्रोत और सीरीज**: wir2022.wid.world/methodology and Neef and Robilliard (2021).*

आरेख 13 ***पूरी दुनिया में श्रम से आय में महिलाओं का हिस्सा, 1990-2020***

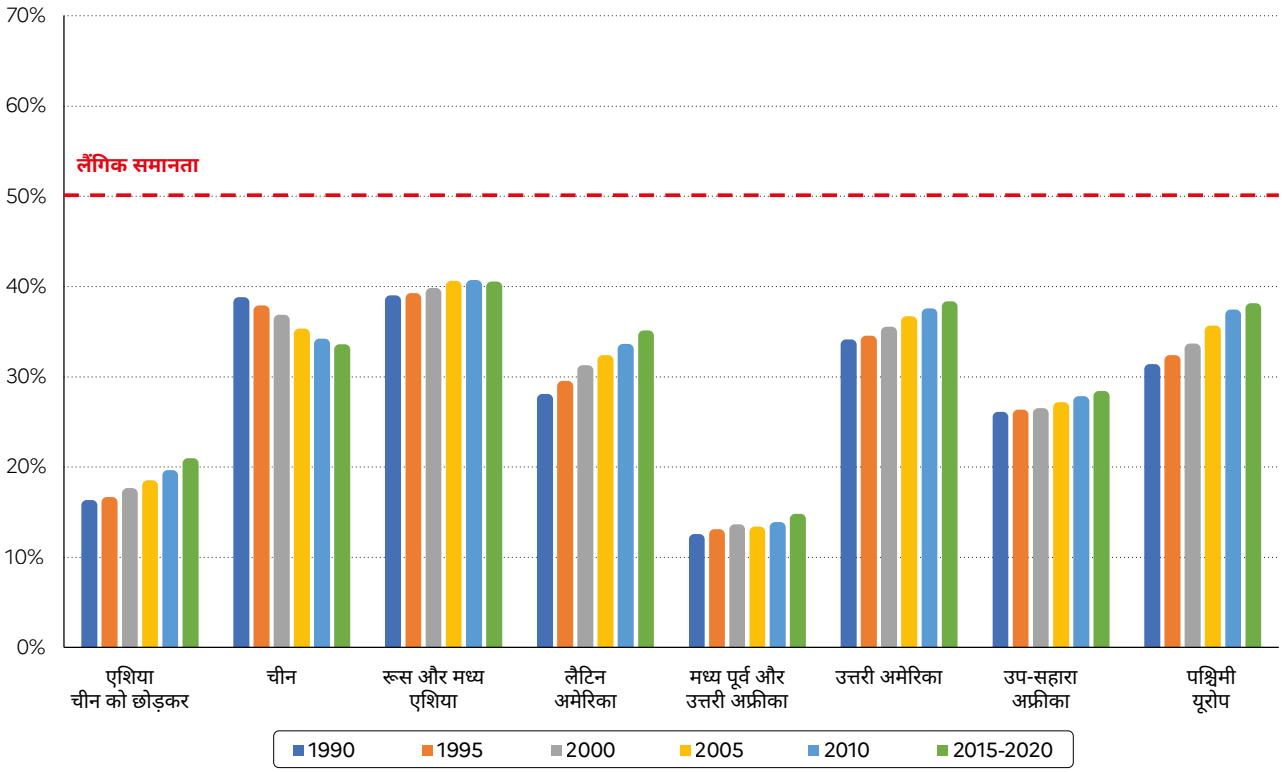

व्याख्या*: 1990 से 2020 के बीच महिला श्रमिकों की आय का हिस्सा उत्तरी अमेरिका में 34% से बढ़कर 38% हो गया* ***स्रोत और सीरीज****: wir2022.wid.world/methodology and Neef and Robilliard (2021).*

आरेख 14 ***वैश्विक कार्बन असमानता, 2019***

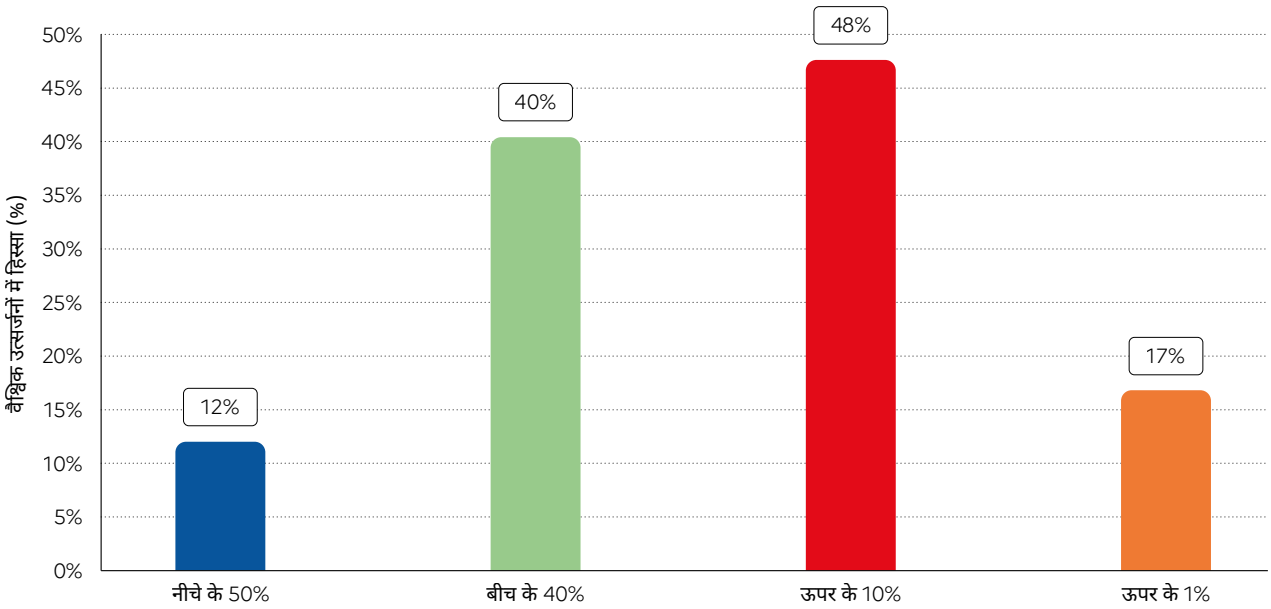

व्याख्या*: व्यक्तिगत कार्बन फुटप्रिंट में घरेलू खपत से उत्सर्जन, सार्वजनिक और निजी निवेशों से उत्सर्जन तथा शेष विश्व के साथ वस्तुओं और सेवाओं के कारोबार में सन्निहित कार्बन का आयात और निर्यात शामिल हैं। मॉडल अनुमान करों के आंकड़ों, पारिवारिक सर्वेक्षण और लागत-निर्गत तालिकाओं के व्यवस्थित संयोजन पर आधारित हैं। उत्सर्जनों को परिवारों के बीच बराबर-बराबर बांट दिया गया है।* ***स्रोत और सीरीज****: wir2022.wid.world/methodology and Chancel (2021).*

आरेख 15 ***पूरी दुनिया में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन, 2019***

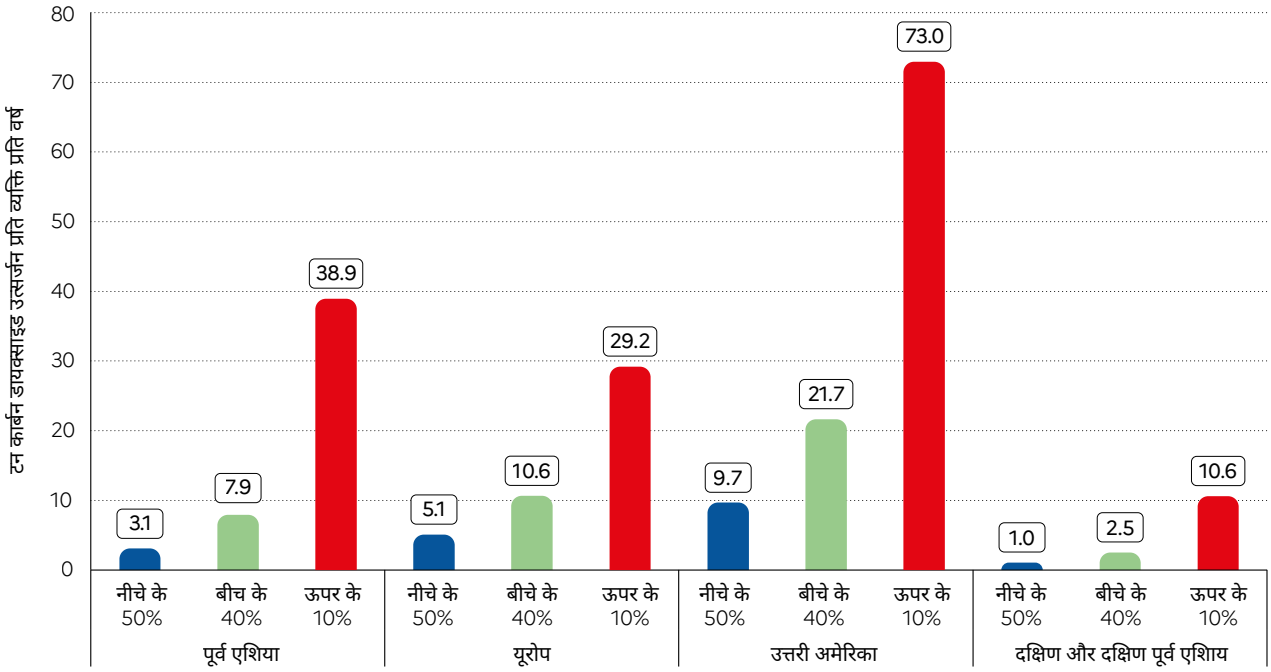

व्याख्या: *व्यक्तिगत कार्बन फुटप्रिंट में घरेलू खपत से उत्सर्जन, सार्वजनिक और निजी निवेशों से उत्सर्जन तथा शेष विश्व के साथ वस्तुओं और सेवाओं के कारोबार में सन्निहित कार्बन का आयात और निर्यात शामिल है। मॉडल अनुमान करों के आंकड़ों, पारिवारिक सर्वेक्षण और लागत-निर्गत तालिकाओं के व्यवस्थित संयोजन पर आधारित है। उत्सर्जनों को परिवारों के बीच बराबर-बराबर बांट दिया गया है।* ***स्रोत और सीरीज***: *wir2022.wid.world/methodology and Chancel (2021).*

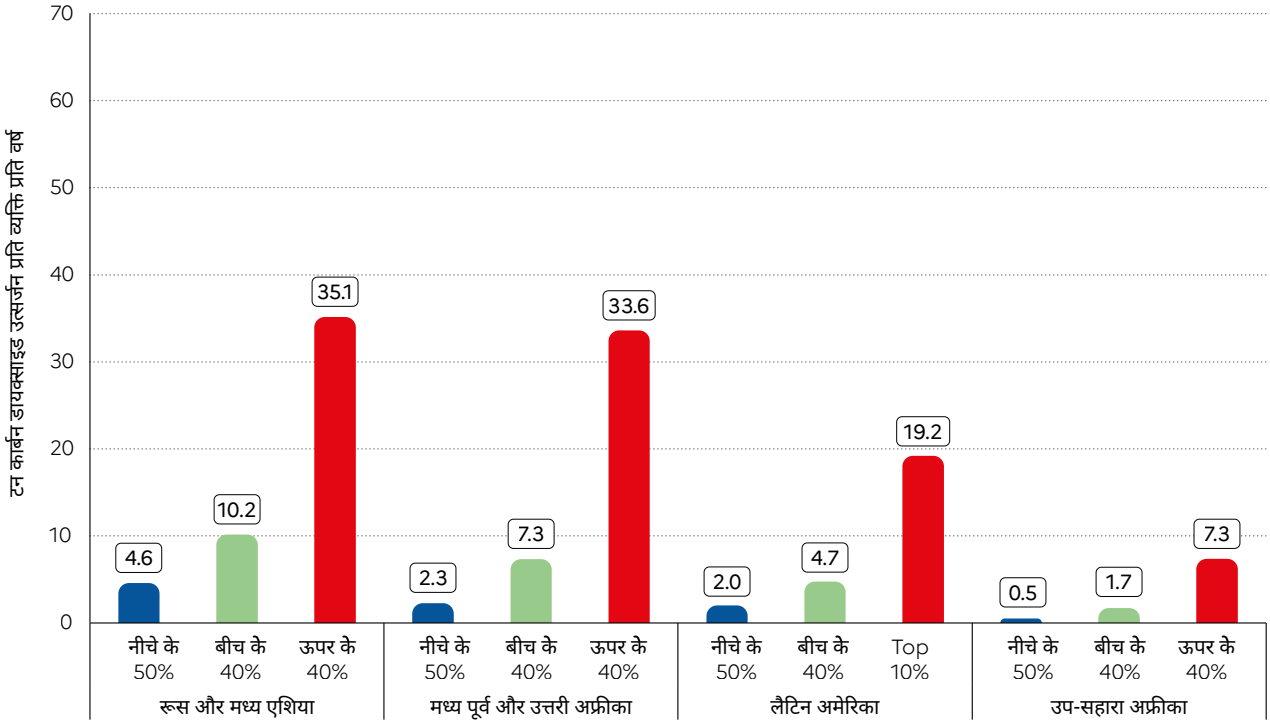

व्याख्या: *व्यक्तिगत कार्बन फुटप्रिंट में घरेलू खपत से उत्सर्जन, सार्वजनिक और निजी निवेशों से उत्सर्जन तथा शेष विश्व के साथ वस्तुओं और सेवाओं के कारोबार में सन्निहित कार्बन का आयात और निर्यात शामिल है। मॉडल अनुमान करों के आंकड़ों, पारिवारिक सर्वेक्षण और लागत-निर्गत तालिकाओं के व्यवस्थित संयोजन पर आधारित है। उत्सर्जनों को परिवारों के बीच बराबर-बराबर बांट दिया गया है।* ***स्रोत और सीरीज***: *wir2022.wid.world/methodology and Chancel (2021).*

भविष्य में निवेश के लिए संपत्ति का पुनर्वितरण

वैश्विक असमानता रिपोर्ट 2022 में 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिहाज से संपत्ति के पुनर्वितरण और भविष्य में निवेश के लिए अनेक नीतिगत विकल्पों की समीक्षा की गई है। तालिका 1 में वैश्विक करोड़पतियों पर मामूली वर्धमान संपत्ति कर लगाने से होने वाली राजस्व प्राप्ति की झलक प्रस्तुत की गई है। संपत्ति के संकेंद्रण की विशाल मात्रा को देखते हुए मामूली वर्धमान करों से सरकारों को काफी राजस्व हासिल हो सकता है। हमारे परिदृश्य मे हम पाते हैं कि इससे वैश्विक आय का 1.6 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया जा सकता है और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा परितंत्रीय संक्रमण में उसका पुनर्निवेश किया जा सकता है। रिपोर्ट ऑनलाइन सिमुलेटर के साथ आई है ताकि हर कोई वैश्विक स्तर पर या अपने क्षेत्र में अपना पसंदीदा संपत्ति कर डिजाइन कर सके।

आरंभ में ही हमने जोर दिया है कि आय और संपत्ति संबंधी असमानताओं के सार्थक पुनर्वितरण के बिना 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करना संभव नहीं है। 20वीं सदी में आधुनिक कल्याणकारी राज्यों का उदय सबके लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसरों के मामले में जबर्दस्त प्रगति से संबंधित था और कराधान की उच्च वर्धमान दरों के उदय से भी जुड़ा हुआ था। इसने बढ़े कराधान और संपत्ति के समाजीकरण की सामाजिक और राजनीतिक स्वीकार्यता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी ऐसा ही क्रमिक विकास जरूरी होगा। अंतर्राष्ट्रीय कराधान में हाल में हुए विकास दर्शाते हैं कि वैश्विक स्तर पर और देशों के अंदर भी अधिक न्यायपूर्ण आर्थिक नीतियों की दिशा में प्रगति निस्संदेह संभव है। रिपोर्ट के अध्याय 8, 9 और 10 में पूरी दुनिया और पूरे आधुनिक इतिहास के उदाहरणों से सबक लेते हुए असमानता से निपटने के विभिन्न विकल्पों पर चर्चा की गई है। असमानता हमेशा राजनीतिक पसंद रही है और अन्य देशों या अन्य समयों में क्रियान्वित नीतियों से सीखना विकास के अधिक न्यायपूर्ण रास्ते तैयार करने के लिए निहायत जरूरी है।.

तालिका 1 ***वैश्विक करोड़पति और अरबपति, 2021***

				वैश्विक संपत्ति समूह	
संपत्ति समूह ($)	**वयस्कों की संख्या**	**कुल संपत्ति (अरब $)**	**औसत संपत्ति (करोड़ $)**	**संपत्ति कर की प्रभावी दर (%)**	**राजस्व (वैश्विक आय का %)**
10 लाख से ऊपर सभी	62,165,160	174,200	2.8	1.0	1.6
10 लाख से 1 करोड़	60,319,510	111,100	1.8	0.6	0.6
1 करोड़ से 10 करोड़	1,769,200	33,600	19	1.3	0.4
10 करोड़ से 1 अरब	73,710	16,500	220	1.5	0.2
1 अरब से 10 अरब	2,582	7,580	2,940	2.3	0.2
10 अरब से 100 अरब	159	4,170	26,210	2.8	0.1
100 अरब से ऊपर	9	1,320	146,780	3.2	0.04

व्याख्या*: वर्ष 2021 में दुनिया में 6.22 करोड़ लोग थे जिनकी संपत्ति (बाजार की विनिमय दरों पर मापने पर) 10 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक थी। उनकी औसत संपत्ति 0.28 करोड़ डॉलर थी जो सबके मिलाने पर 1,74,000 अरब डॉलर हो जाती है। पूंजी के मूल्यह्रास और वंचना को ध्यान में रखने पर हमारे कर परिदृश्य-2 में वैश्विक वर्धमान संपत्ति कर वैश्विक आय का 2.1% होगी।* ***टिप्पणी:*** *तालिका 1 में करोड़पतियों की संख्या को निकटतम दहाई तक पूर्णांकित कर दिया गया है।* ***स्रोत और सीरीज****: wir2022.wid.world/methodology.*

NOTES

1 मान क्रय शक्ति समानता (PPP) में व्यक्त हैं.

2 वैश्विक असमानता रिपोर्ट 2018, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, और ऑनलाइन wir2018.wid.world पर.